

# HILLE Sazette of India

# असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—सण्ड 3—उप-सण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

univers à restes
PURLISHED BY AUTHORITY

सं0 380]

नई दिल्ली, संगलवार, दिसम्बर 14, 1982/अग्रहायण 23, 1904

No. 380 NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 14, 1982/AGRAHAYANA 23, 1904

इस भाग में भिम्म पृष्ठ संख्या **वी धाती है जिससे कि य**ह अराज संकालन के स्वय में र**ला जा स**को

Separate Paging is given to this Part in order that it may be fited as a separate compilation

वित्त मंद्रालय

(राजस्व निभाग)

अधिसचनार्वे

नई दिल्ली, 14 विसम्बर, 1932

स० 275/82 सीमागुल्क

साकार ने कि 756 (अ)...किन्दीय सरकार, सीमासूक क्रिविन बन, 1962 (1962 का 52) की द्वारा 25 की उपघारा (1) द्वारा प्रदक्त कांक्सियों का प्रयोग वरते हुए, अपना यह समावान ही जाने पर कि लोकहित में ऐसा करना आवश्यक है, भारत सरकार के वित्त मौजलय (राजस्य विभाग) की अधिसूचना सं० 215-मीमासुक्त, तारीख । नवस्वर, 1980 का निम्निलिंद्वन और संजोधन करती है, अर्थात्:--

उक्त प्रधिसूचना में, "मृल्य के 20 प्रतिशत" ग्रंकों भीर शब्दों के स्थान पर "मृत्य के 30 प्रतिशत " ग्रंक भीर शब्द रखें जायेंगे।

[फा॰सं॰ 357/2/82 टी॰म्रार॰स॰]

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

NOTIFICATIONS

New Delhi, the 14th December, 1982

NO. 275/82-CUSTOMS

G.S.R. 756(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 215-Customs. dated the 1st November. 1980, namely:—

In the said notification, for the figures and words "20 per cent ad valorem", the figures and words "30 per cent ad valorem" shall be substituted

[F. No. 357/2/82-TRU]

सं॰ 276/82-दीनाश्ह्क

सा॰का॰नि॰ 757(अ)--केन्द्रीय सरकार, सीमाशुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रवत्त ात्रायों का प्रयाग करता हुए और घा न सरवार । विन स्थालय (राजस्व विभाग) की श्रिति बना सर्व 216 संसा छल्य तार्यल र प्रयाप 1880 का अधिकार रात्र हुए जाता पत्र विभाग हर जाते पत्र एवं अधिकार रात्र हुए जाता पत्र विभाग करता चार्यकार है संसा बन्त टैकिस सर्व शिक का निर्माण की विभाग का जाता जाते असी बाले श्रीर इससे उनाबढ़ सारणी में विभिन्द साम का जाव उससा भारत में आधात । का जायों उक्त पत्रला अत्मृत्व के अधीत उन प उद्युष्टणीय उनने की सामाणक से छट देती है जितना मृत के वीस श्रीत्रात ने पश्चित है।

Hardware Committee and the first transfer and the second of the second o

### सारणी

- (1) उच्च निष्पादन वाला (हाई पाफारनेता) विध्यास स्टपत फाइबर ग्रीर उच्च निष्पादा वाला सर्ह परफोरमेल्स) विस्तार हो।
- (2) उच्च लिक्यूत वाक्षा (हाई टीनिस्टी) विस्कीम स्टेस्स फाइबर भीर उच्च िक्यून वाला 'हाई टीनेसिटी) विस्काम टो।
- (3) उज्ज्य रूप से नम ।हाई बेट) माड्यूल्स थिस्कील स्टेपस फाइबर श्रीर उज्ज्य रूप से नम (हाई बेट) माड्यूल्स विक्कीस टो।
- (4) पालिनीसिक स्टेपल फाइबर ग्रीर पोलिनापिक टा।

[फा॰स॰ 357/2/82 टी॰आर॰पृ॰]

### NO. 276/82-CUSTOMS

G.S.R. 757(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 216-Customs, dated the 1st November, 1980, the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby exempts the goods specified in the Table annexed hereto and falling within Chapter 56 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (31 of 1975), when imported into India, from so much of the duty of customs leviable thereon under the said First Schedule as is in excess of 20 per cent ad valorem.

### **TABLE**

- High performance viscose staple fibre and high performance viscose tow.
- (2) High tenacity viscose staple fibre and high tenacity viscose tow.

- (3) High vet modulus viscose staple fibre and high wet modulus viscose tow
- (4) Polyrosic staple fibre and polynosic tow

[F. No 357/2/82-TRU]

## म० 277/82-नीमाभूत्र

सा का विन 758 (अ) - वेन्द्रीय सरवार विन प्रधिनियम 1982 (1952 व) 14) की घारा 11 की उपधार (1) वे मान पठित सीमा गल्य प्रधिनितम, 1962 (1962 का 52) वी धारा 25 की उपधार (1) देना प्रदत्त शिकायों ना प्रथान करने हुए, प्रपत्ता यह समाधान हा जाने पर कि लाक हित में ऐसा करना श्रावप्यक है, भारत सरकार वे पित्त सद्धाराय (राजस्य विशाश) की श्राधसूचना सब 136/62 से राजस्य नारित 11 मही 1992 का निकासिखान और संशोधन करनी है, सर्थान -

उक्त अधिमुक्ता की अनुसकी मे

1982" 1

- (क) त्रम स० 176 और असमे सर्वाधित प्रिक्षिटियो का लाप किया जायेगा और
- (खा) कम स० 221 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्निणिखेन ग्रनस्थापित किया प्रायेगा, वर्धात् – "222 स० 276/82 मीमाश्लक, तारीख 14 विसम्बर,

[फा॰स॰ उ*57*/2/82 टी॰श्रार॰यू०] फिलेन्द्र बल्ला, श्र**व**र स**धिव** 

### NO. 277/82-CUSTOMS

GS.R. 758(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), read with sub-section (4) of section 44 of the Finance Act, 1982 (14 of 1982), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 136/82 Customs, dated the 11th May, 1982, namely —

In the Schedule to the said notification,-

- (a) Sl. No. 176 and the entries relating thereto shall be omitted; and
- (b) after Sl. No. 221 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—
  - "222. No. 276/82-Customs, dated the 14th December, 1982".

[F. No. 357/2/82-TRU] J. K. BATRA, Under Secy.